

जल स्राव पुं. (तत्.) आँख से पानी बहना, एक नेत्र रोग।

जल स्रोत पुं. (तत्.) जल का सोता, नदी का निकास, चश्मा, जल प्रवाह।

जलक पुं. (तत्.) 1. शंख 2. कौड़ी।

जलकना पुं. (अर.+हि.) चमकना, जगमगाना।

जलकपि पुं. (तत्.) शिशुमा नामक जलजंतु।

जलकपोत पुं. (तत्.) एक प्रकार की चिड़िया जो पानी के किनारे होती है।

जलकर पुं. (तत्.) 1. जलाशयों के पदार्थों पर लगाया जाने वाला कर 2. जल की आपूर्ति करने के लिए वसूला जाने वाला कर।

जलकल पुं. (तत्.) पानी का नल।

जलकांक्ष पुं. (तत्.) हाथी।

जलकाय पुं. (तत्.) जल के शरीर वाला।

जलकुंभी स्त्री. (देश.) कुंभी नाम की वनस्पति जो जलाशयों में पानी के ऊपर होती है।

जलकेतु पुं. (तत्.) एक प्रकार का पुच्छल तारा जो पश्चिम में उदय होता है।

जलचर पुं. (तत्.) जल जंतु।

जलचार पुं. (तत्.) प्याऊ, छबील, वह स्थान जहाँ जनसाधारण को पानी पिलाया जाता है।

जलचारी पुं. (तत्.) जलचर, जल में रहने वाला जीव।

जलज वि. (तत्.) जल में पैदा होने वाला पुं. 1. कमल 2. शंख 3. सेवार 4. मछली 5. जलजंतु 6. मोती 7. चौलाई 8. कुचले का पेड़।

जलजन्म पुं. (तद्.) कमल, जलज।

जलजन्य पुं. (तत्.) कमल।

जलजला पुं. (फा.) भूकंप, भूचाल।

जलजलाना अ.क्रि. (तद्.) झिलमिलाना, चमकना।

जलजात वि. (तत्.) जल में उत्पन्न होने वाला, कमल।

जलजासन वि. (तत्.) कमल के आसन पर बैठने वाले ब्रह्मा।

जलडमरूमध्य पुं. (तत्.) जल का वह पतला भाग जो जल के दो बड़े भागों को मिलाता है।

जलतरंग पुं. (तत्.) लहर, एक प्रकार का बाजा।

जलतरोई स्त्री. (देश.) मछली।

जलताल पुं. (तत्.) सलई का पेड़।

जलत्रा स्त्री. (तत्.) छाता।

जलत्रास पुं. (तत्.) जल को देखने से भय उत्पन्न होना (जो आम तौर पर कुत्ते, गीदड़ आदि के काटने से होता है)।

जलथंभ पुं. (तद्.) जल स्तंभन, मंत्रों से जल को रोकने की क्रिया।

जलद पुं. (तत्.) 1. जल देने वाला 2. बादल, मेघ 3. कपूर 4. मोथा।

जलदस्यु पुं. (तत्.) समुद्री डाकू।

जलदागम पुं. (तत्.) वर्षा काल।

जलदाता पुं. (तत्.) देव, पितृ आदि को जल देने वाला, तर्पण करने वाला।

जलदाभ वि. (तत्.) बादल के रंग का, काला।

जलदाशन पुं. (तत्.) साखू का पेड़।

जलदेव पुं. (तत्.) जल-देवता, वरुण।

जलधर पुं. (तत्.) 1. बादल 2. समुद्र 3. जलाशय, झील, तालाब।

जलधरा पुं. (तत्.) वह स्थान जहाँ जल रखा जाता है।

जलधार पुं. (तत्.) दे. जलधारा।

जलधारा स्त्री. (तत्.) पानी का प्रवाह, पानी की धारा।

जलधारी वि. (तद्.) जलधारक।

जलधि दैवत पुं. (तत्.) वरुण, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र।

जलधि पुं. (तत्.) समुद्र, सिंधु।